सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
Savitribai Phule Pune University, Pune

हिंदी पाठ्यक्रम
Hindi Syllabus

संबंद्ध महाविद्यालयों के लिए
For Affiliated colleges

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला/बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान
(तृतीय एवं चतुर्थ अयन)
Third & Fourth Semester

शैक्षिक वर्ष
Academic year

2020-2021

अनुक्रम

बी. ए.द्वितीय वर्ष कला/बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान

तृतीय एवं चतुर्थ अयन **(Third & Fourth Semester)**

शैक्षिक वर्ष 2020–21 से

कोर्स नं.	तृतीय एवं चतुर्थ अयन	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
बी. ए. द्वितीय वर्ष कला			
CC-1C (G-2)	आधुनिक काव्य, कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी (तृतीय अयन)	3	03
CC-1D (G-2)	आधुनिक हिंदी व्यंग्य साहित्य तथा व्यावहारिक हिंदी (चतुर्थ अयन)	3	05
बी. ए. द्वितीय वर्ष कला –प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)			
CC-1C (G-2)	प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुप्रयोग (तृतीय अयन)	3	07
CC-1D (G-2)	जनसंचार माध्यम और हिंदी (चतुर्थ अयन)	3	09
बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (हिंदी विशेष)			
SEC-2A	अनुवाद स्वरूप एवं व्यवहार (तृतीय अयन)	2	11
SEC-2B	माध्यम लेखन (चतुर्थ अयन)	2	12
बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (हिंदी विशेष)			
DSE-1A (S-1)	काव्यशास्त्र (सामान्य) (तृतीय अयन)	3	14
DSE-1B (S-1)	साहित्य के भेद (चतुर्थ अयन)	3	16
DSC-2A (S-2)	मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास साहित्य (तृतीय अयन)	3	18
DSC-2B (S-2)	मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक साहित्य (चतुर्थ अयन)	3	21
बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान (सामान्य)**General**			
AECC-2A	हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य (तृतीय अयन)	2	26
AECC-2B	हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य (चतुर्थ अयन)	2	28

***

बी. ए.द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

तृतीय अयन **(Third Semester)**

पाठ्यचर्या : **CC-1C (G-2)** आधुनिक काव्य, कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी

3 कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को काव्य साहित्य से परिचित कराना।
2. छात्रों को कहानी साहित्य से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी कारक–व्यवस्था समझाना।
4. शब्द युग्म का अर्थ लिखकर प्रत्यक्ष वाक्य में प्रयोग समझाना।
5. संक्षेपण लेखन का प्रत्यक्ष बोध कराना।
6. सर्जनात्मकता का विकास कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–I	काव्य साहित्य : 1) नाच – अज्ञेय 2) देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना 3) एकलव्य से संवाद – अनुज लुगुन 4) हॉकी खेलती लडकियाँ – कात्यायनी 5) कूड़ा बीनते बच्चे– अनामिका। उक्त रचनाओं का, कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई–II	कहानी साहित्य : 1) धरती अब भी घूम रही है–विष्णु प्रभाकर 2) दूसरे – कमलेश्वर 3) सजा – मन्नू भंडारी 4) सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि 5) छावनी में बेघर– अल्पना मिश्र उक्त रचनाओं का, कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई–III	साहित्येतर पाठ्यक्रम : 1) हिंदी कारक व्यवस्था। 2) शब्द युग्म (50) अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग। 3) संक्षेपण।	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 75

आंतरिक मूल्यांकन : 23 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 13 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/ क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 52 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक : 52**

प्रश्न 1. इकाई–I पर चार में से दो प्रश्न :	10 अंक
प्रश्न 2. इकाई–II पर चार में से दो प्रश्न :	10 अंक
प्रश्न 3. ससंदर्भ व्याख्या	
अ. इकाई–I पर दो में से एक प्रश्न :	05 अंक
आ. इकाई–II पर दो में से एक प्रश्न :	05 अंक
प्रश्न 4. इकाई–III पर तीन में से दो प्रश्न :	10 अंक
प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर (इकाई–I : 04, इकाई–II : 04, इकाई–III: 04) 12 बहुविकल्पि प्रश्न।	12 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. 'हिंदी साहित्य और भाषा' – संपा.हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशक, नई दिल्ली।
2. हिंदी व्याकरण – पं. कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

***

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

चतुर्थ अयन **(Fourth Semester)**

पाठ्यचर्या : **CC-1D (G-2)** आधुनिक हिंदी व्यंग्य साहित्य तथा व्यावहारिक हिंदी

3 कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को व्यंग्य पाठ से परिचित कराना।
2. छात्रों को कहानी व्यंग्य पाठ का बोध कराना।
3. साक्षात्कार कला से अवगत कराना।
4. भाषा का मोबाइल तंत्र समझाना।
5. पल्लवन कला से अवगत करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	काव्य पाठ (व्यंग्य) : 1) तीनों बंदर बापू के – नागार्जुन 2) बात बतंगड – काका हाथरसी 3) विद्वान लोग – उदय प्रकाश 4) कितनी रोटी – अशोक चक्रधर 5) देश के लिए नेता – शैल चतुर्वेदी। उक्त रचनाओं का, कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	कहानी पाठ (व्यंग्य) : 1) प्रेम की बिरादरी – हरिशंकर परसाई 2) अफसर – शरद जोशी 3)सावधान! हम इमानदार हैं – लतिफघोंघी 4) मुख्यमंत्री का डंडा – सुदर्शन मजीठिया 5) झोले – सुभाष काबरा उक्त रचनाओं का, कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	साहित्येतर पाठ्यक्रम : 1) साक्षात्कार।	15 तासिकाएँ

	2) भाषा से संबंधित ॲप्स। 3) पल्लवन।	

अंक विभाजन – पूर्णांक : 75

आंतरिक मूल्यांकन – 23 (लघुत्तरी परीक्षा–13, शोध परियोजना / समूह परियोजना / मौखिक प्रस्तुति / क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 52

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप : **(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)**

समय : 3 घंटे **अंक : 52**

प्रश्न : 1 प्रथम इकाई (व्यंग्य) पर चार में कोई दो प्रश्न। 10 अंक

प्रश्न : 2 द्वितीय इकाई (कहानी) पर चार में कोई दो प्रश्न। 10 अंक

प्रश्न : 3 संसदर्भ व्याख्या

अ) प्रथम इकाई पर दो में से एक। 05 अंक

आ) द्वितीय इकाई पर दो में से एक। 05 अंक

प्रश्न : 4 इकाई तीन पर तीन में से दो प्रश्न। 10 अंक

प्रश्न : 5 तीनों इकाइयों पर बहुविकल्पि (इ. एक – 4, इ. द्वितीय – 4, इ. तृतीय – 4) प्रश्न। 12 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. 'हिंदी साहित्य और भाषा' – संपा.हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशक, नई दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप – डॉ. राजेंद्र मिश्र, राकेश शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम –डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य का मूल्यांकन –डॉ. सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।

***

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

तृतीय अयन **(Third Semester)** : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : **CC-1C (G 2)** प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुप्रयोग

3कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के उपायोजन क्षेत्र का परिचय कराना।
2. कार्यालय हिंदी का व्यवहार ज्ञान देना।
3. सरकारी पत्राचार से परिचित कराना।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी अनुप्रयोग में सहयोग देना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–I	**प्रयोजनमूलक हिंदी : उपयोजन के प्रमुख क्षेत्र :** 1) दूरसंचार, 2) रेल्वे, 3) बैंक, 4) खेल जगत, 5) कृषि, 6) जीवन विमा निगम, 7) प्रशासनिक, 8) मनोरंजन, 9) सूचना एवं प्रोद्योगिकी, 10) पर्यटन, 11) पत्रकारिता क्षेत्र। 12) प्रयोजनमूलक हिंदी के उपयोजन में आनेवाली समस्याएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई–II	कार्यालयी हिंदी : प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।	15 तासिकाएँ
इकाई–III	**सरकारी पत्राचार :** सरकारी पत्र, अर्धसरकारी पत्र, परिपत्र, ज्ञापन, सूचना, अधिसूचना, निविदा।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 75

आंतरिक मूल्यांकन – 23 (लघुत्तरी परीक्षा– 13 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा – 52

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक 52**

प्रश्न 1. इकाई–I पर चार में से कोई दो प्रश्न :	14 अंक
प्रश्न 2. इकाई–II पर चार में से कोई दो प्रश्न :	14 अंक
प्रश्न 3. इकाई–III पर चार में से कोई दो प्रश्न :	14 अंक
प्रश्न 4. तीनों इकायों पर (इकाई–I : 3, इकाई–II : 4, इकाई–III: 3) 10 बहुविकल्पि प्रश्न।	10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद – डॉ. माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. तेजपाल चौधरी
4. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
5. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रामप्रकाश/डॉ. दिनेश गुप्त
6. कामकाजी हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया
7. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग – गोपिनाथ श्रीवास्तव
8. प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम – डॉ. राणा
9. प्रयोजनमूलक हिंदी और कार्यालयी हिंदी – कृष्णकुमार गोस्वामी

***

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

चतुर्थ अयन **(Fourth Semester)** : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : **CC-1D (G 2)** जनसंचार माध्यम और हिंदी

3कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को जनसंचार माध्यमों से परिचित कराना।
2. सृजनात्मक लेखन कौशल विकसित कराना।
3. माध्यम लेखन से अवगत कराना।
4. श्रव्य–दृश्य माध्यमों की भाषा से अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–I	जनसंचार माध्यम : अवधारणा एवं विभिन्न प्रकार जनसंचार माध्यमों की भाषा, मुद्रिम माध्यमों की भाषा, श्रव्य माध्यमों की भाषा, दृश्य माध्यमों की भाषा।	15 तासिकाएँ
इकाई–II	सृजनात्मक लेखन : लेखाआलेख लेखन, कविता लेखन, कहानी लेखन, नाटक लेखन।	15 तासिकाएँ
इकाई–III	माध्यम लेखन : फीचर लेखन, पटकथा लेखन, डॉक्यूड्रामा, रेडियो वार्ता लेखन, रेडियो संवाद लेखन, मुद्रित विज्ञापन की भाषा।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 75

आंतरिक मूल्यांकन – 23 (लघुत्तरी परीक्षा– 13 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा – 52

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक 52**

प्रश्न 1. इकाई–I पर चार में से कोई दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई–II पर चार में से कोई दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई–III पर चार में से कोई दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. तीनों इकायों पर (इकाई–I : 3, इकाई–II : 4, इकाई–III: 3) 10 बहुविकल्पि प्रश्न। 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा प्रोद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन – सूर्यप्रकाश दीक्षित
2. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद – डॉ. माधव सोनटक्के
3. संप्रेषण और रेडियो शिल्प – विश्वनाथ पांडे
4. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
5. वाणी संचार रेडियो प्रसारण – डॉ. सुनिल केशव देवधर

***

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

तृतीय अयन **(Third Semester)**

पाठ्यचर्या : **SEC-2A** अनुवाद स्वरूप एवं व्यवहार

2कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. अनुवाद कौशल से छात्रों को अवगत कराना।
2. अनुवाद का स्वरूप समझाना।
3. अनुवाद क्षेत्र से परिचय कराना।
4. हिंदी से मराठी में प्रत्यक्ष्य अनुवाद कार्य कराना।
5. अंग्रेजी से हिंदी, मराठी में अनुवाद कौशल का विकास कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	1. अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप 2. अनुवाद : प्रक्रिया के सोपान 3. अनुवाद : सहायक सामग्री 4. अनुवाद : अनुवादक के गुण	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	1. अनुवाद : प्रत्यक्ष व्यवहार 2. मराठी वाक्यों का हिंदी अनुवाद। 3. अंग्रेजी वाक्यों का हिंदी अनुवाद। 4. मराठी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद। 5. अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद।	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन : 15 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 10 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 5 अंक)

सत्रांत परीक्षा– 35 अंक **प्रश्नपत्र का स्वरूप**

समय : 3 घंटे **अंक 35**

प्रश्न 1. प्रथम इकाई पर चार में से दो प्रश्न। 14 अंक

प्रश्न 2. अ. मराठी वाक्यों का हिंदी में अनुवाद। (दस में से सात) 07 अंक

आ. अंग्रेजी वाक्यों का हिंदी में अनुवाद। (दस में से सात) 07 अंक

प्रश्न 3. हिंदी परिच्छेद का मराठी/अंग्रेजी में अनुवाद। 07 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद की रूपरेखा – डॉ. सुरेश कुमार
2. अनुवाद कला – भोलानाथ तिवारी
3. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ – डॉ. श्रीनारायण समीर
4. अनुवाद और अनुप्रयोग – डॉ. दिनेश चमोला
5. अनुवाद के भाषिक पक्ष – विभा गुप्ता
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रो. माधव सोनटक्के

***

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

चतुर्थ अयन **(Fourth Semester)**

पाठ्यचर्या : **SEC- 2B** माध्यम लेखन

2कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को माध्यम लेखन से परिचित कराना।
2. सृजनात्मक लेखन कौशल विकसित कराना।
3. माध्यम लेखन से अवगत कराना।
4. श्रव्य–दृश्य माध्यमों की भाषा से अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	**माध्यम लेखन – सैद्धांतिक पक्ष** 1. माध्यम का स्वरूप 2. अवधारणा 3. महत्व एवं उद्देश्य 4. माध्यम एवं विधा परिचय : i) मुद्रित माध्यम ii) श्रव्य माध्यम iii) दृश्य–श्रव्य माध्यम iv) नव–माध्यम : कंटेंट लेखन, ब्लॉग लेखन।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	माध्यम लेखन : फीचर लेखन 1. फीचर की परिभाषा एवं अवधारणा। 2. सामग्री संकलन स्त्रोत। 3. फीचर के तत्व – विषय वस्तु, प्रस्तावना, शीर्षक, विवेचन, छायांकन। 4. फीचर लेखन के गुण : i) विश्वसनीयता ii) सरसता एवं सहजता iii) रोचकता एवं संक्षिप्तता iv) प्रासंगिकता v) प्रचलित शब्दावली का प्रयोग। 5. फीचर और अन्य विधा में भेद : समाचार, आलेख। 6. फीचर के विभिन्न प्रकार : समाचार फीचर, घटना परक फीचर, सांस्कृतिक फीचर, चिंतन परक फीचर, साहित्यिक फीचर, फोटो फीचर। 7. रेडियो फीचर, टेलीविजन फीचर।	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन : 15 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 10 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/ क्षेत्रीय अध्ययन– 05 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 35 प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक : 35**

प्रश्न 1. प्रथम इकाई पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. द्वितीय इकाई पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. किसी एक विषय पर फीचर लेखन (2 में से 1) : 07 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा प्रोद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन – सूर्यप्रकाश दीक्षित
2. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद – डॉ. माधव सोनटक्के
3. संप्रेषण और रेडियो शिल्प – विश्वनाथ पांडे
4. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
5. वाणी संचार रेडियो प्रसारण – डॉ. सुनिल केशव देवधर
6. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प – डॉ. मोहन प्रभाकर
7. फीचर लेखन – पी. के. आर्य
8. रूपक लेखन – ब्रजभूषण सिंह
9. फीचर लेखन – विजय कुलश्रेष्ठ
10. मीडिया लेखन – मोहन सुमित
11. रेडियों वार्ता शिल्प – सिद्धनाथ कुमार
12. टेलीविजन लेखन सिद्धांत और प्रयोग – कुमुद नागर
13. हिंदी फीचर : स्वरूप और विकास – डॉ. सुनील डहाले
14. साहित्य और सिनेमा – संपा. पुरुषोत्तम कुंदे
15. सिनेमा और फिल्मांतरीत हिंदी साहित्य – डॉ. गोकुळ क्षीरसागर
16. हिंदी साहित्य और फिल्मांकन – डॉ. रामदास तोंडे
17. साहित्य और सिनेमा – डॉ. जालिंदर इंगले।

***

बी. ए.द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

तृतीय अयन **(Third Semester)**

पाठ्यचर्या : **DSC – 1A (S-1)** काव्यशास्त्र (सामान्य)

3कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय देना।
2. काव्य परिभाषा, तत्व आदि अवगत कराना।
3. काव्य के तत्व, शब्द–शक्तियों का परिचय देना।
4. रस का स्वरूप समझाना।
5. भारतीय काव्यशास्त्र में रुचि पैदा करना तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–I	काव्य परिभाषा (संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी) काव्य हेतु– प्रतिभा, व्युत्पत्ति, अभ्यास, समाधि। काव्य प्रयोजन (भारतीय)	15 तासिकाएँ
इकाई–II	काव्य के तत्व– भाव तत्व, बुद्धि तत्व, कल्पना तत्व, शैली तत्व। शब्द–शक्ति– परिभाषा स्वरूप, शब्द–शक्तियों का सोदाहरण परिचय – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।	15 तासिकाएँ
इकाई–III	रस– परिभाषा, स्वरूप रस के अंग– स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव। रसों का सोदाहरण परिचय – शृंगार, वीर, हास्य, करुण।	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 75

आंतरिक मूल्यांकन : 23 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 13 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन – 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 52 अंक

प्रश्न पत्र का प्रारूप **(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)**

समय : 3 घंटे **अंक : 52**

प्रश्न 1. प्रथम इकाई पर चार में से कोई दो प्रश्न। 14 अंक

प्रश्न 2. द्वितीय इकाई पर चार में से कोई दो प्रश्न। 14 अंक

प्रश्न 3. तृतीय इकाई पर चार में से कोई दो प्रश्न। 14 अंक

प्रश्न 4. तीनों इकाइयों पर बहुविकल्पि प्रश्न।(इकाई–I : 3, इकाई–II : 3, इकाई–III: 4) 10 प्रश्न। 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र – विश्वंभरनाथ उपाध्याय
4. भारतीय साहित्यशास्त्र – आ. बलदेव उपाध्याय
5. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (खंड 1 और 2) – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेंद्र
7. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
8. सुबोध काव्यशास्त्र – डॉ. जालिंदर इंगले
9. सुबोध काव्यशास्त्र – डॉ. मधुकर देशमुख।

***

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

चतुर्थ अयन **(Fourth Semester)**

पाठ्यचर्या : **DSC-1B (S-1)** साहित्य के भेद

3कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को साहित्य के भेद से अवगत कराना।
2. छात्रों को पद्य भेद से अवगत कराना।
3. महाकाव्य, खंडकाव्य और मुक्तक काव्य का परिचय कराना।
4. नाटक का स्वरूप समझाना।
5. छात्रों में नाट्य अभिनय की रुचि विकसित करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–I	काव्य के विविध भेद। पद्य के भेद : प्रबंधकाव्य और मुक्तकाव्य का स्वरूप। प्रबंध काव्य के भेद : महाकाव्य और खंडकाव्य, मुक्तक काव्य का परिचय।	15 तासिकाएँ
इकाई–II	गद्य के भेद : कहानी, उपन्यास, निबंध का तात्विक परिचय। कहानी और उपन्यास में अंतर।	15 तासिकाएँ
इकाई–III	दृश्य काव्य : नाटक की परिभाषा और तत्व। एकांकी : परिभाषा और तत्व। नाटक के भेद : रेडियो, दूरदर्शन नाटक, मंचीय नाटक।	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 75

आंतरिक मूल्यांकन : 23 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 13 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन – 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 52 अंक

प्रश्न पत्र का प्रारूप **(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)**

समय : 3 घंटे **अंक : 52**

प्रश्न 1. प्रथम इकाई पर चार में से कोई दो प्रश्न। 14 अंक

प्रश्न 2. द्वितीय इकाई पर चार में से कोई दो प्रश्न। 14 अंक

प्रश्न 3. तृतीय इकाई पर चार में से कोई दो प्रश्न। 14 अंक

प्रश्न 4. तीनों इकाइयों पर बहुविकल्पि प्रश्न। (इकाई–I : 3, इकाई–II : 3, इकाई–III: 4) 10 प्रश्न। 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह
3. नाट्यलोचन – डॉ. माधव सोनटक्के
4. भारतीय साहित्यशास्त्र – आ. बलदेव उपाध्याय
5. रंगदर्शन – नेमिचंद्र जैन
6. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
7. समीक्षा शास्त्र – डॉ. दशरथ ओझा
8. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ – डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
9. आलोचना:प्रकृति और परिवेश – डॉ. तारकानाथ बाली
10. आ. शुक्ल के समीक्षा सिद्‌धांत – डॉ. रामलाल सिंह
11. इतिहास और आलोचना – डॉ. नामवर सिंह
12. आधुनिक आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह
13. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
14. हिंदी नाट्य विमर्श – डॉ. सदानंद भोसले

***

बी. ए.द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

तृतीय अयन **(Third Semester)**

पाठ्यचर्या : **DSC – 2 A (S-2)** मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास साहित्य

3कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. कबीर के साहित्य का परिचय देना।
2. मीराबाई के काव्य से अवगत कराना।
3. भारतीय उपन्यास की अवधारणा समझाना।
4. उपन्यास कृति का मूल्यांकन कला विकसित करना।
5. साहित्य कृतियों प्रस्तुत जीवनमूल्यों को आत्मविस्तृत करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	कबीर के 20 दोहे **i)** गुरुदेव को अंग 1. सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार। लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार।। 2. पीछैं लागा जाइ था, लोक वेद के साथी। आगैं थै सतगुर मिल्या, दीपक दिया हाथी। 3. जाका गुर भी अंधला, चेला खरा निरंध। अंधा अंधा ठेलिया, दून्यूँ कूप पडंत।। 4. माया दीपक नर पतँग, भ्रमि भ्रमि इवै पडंत। कहै कबीर गुर ग्यान थै, एक आध उबरंत।। 5. सतगुर हम सूँ रीझि करि, एक कहया प्रसंग। बरस्या बादल प्रेम का, भीजि गया सब अंग।। **ii)** विरह को अंग 1. बहुत दिनन की जोवती, बाट तुम्हारी राम। जिव तरसै तुझ मिलन कूँ मनि नाहीं विश्राम।। 2. यहु तन जालौं मसि करौं, लिखौं राम का नाउँ। लेखणिं करूँ करंक की, लिखि लिखि राम पठाउँ।। 3. अंषड़ियाँ झाईं पड़ी, पंथ निहारि निहारि। जीभड़ियाँ छाला पड़्या, राम पुकारि पुकारि।। 4. परबति, परबति मैं फिरया, नैंन गँवाये रोइ। सो बूटी पाऊँ नहीं, जातैं जीवनि होइ।। 5. सुखिया सब संसार है, खायैं अरू सोवै। दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै।।	15 तासिकाएँ

	iii) माया को अंग 1. कबीर माया पापणीं, फंध लै बैठि हाटि। सब जग तौ फंधै पड़या, गया कबीरा काटि।। 2. कबीर माया मोहनी, जैसी मीठी खाँड। सतगुर की कृपा भई, नहीं तौ करती भांड़।। 3. माया मुईन मन मुवा, मरि मरि गया सरीर। आसा तिष्णाँ नाँ मुई, यौं कहि गया कबीरा।। 4. कबीर सो धन संचिए, जो आगैं कूँ होई। सीस चढ़ाए पोटली, ले जात न देख्या कोई।। 5. कबीर माया मोह की, भई अँधारी लोइ। जे सूते ते मुसि लिये, रहे बसत कूँ रोइ।। **iv)** निंद्या को अंग 1. निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ। बिन साबण पाँणीं बिना, निरमल करै सुभाइ।। 2. कबीर आप ठगाइये, और न ठगिये कोइ। आप ठग्याँ सुख ऊपजैं, और ठग्या दुख होइ।। **v)** कथनी बिना करनी को अंग 1. पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ। एकै अषिर पीव का, पढै सु पंडित होइ।। **vi)** भेष को अंग 1. तन को जोगी सब करै, मन कों बिरला कोइ। सब सिधि सहजै पाइए, जे मन जोगी होइ।। 2. माला फेरत जुग भया, पाय न मन का फेर। कर का मनका छाँड़ि दे, मन का मनका फेर।। अध्यनार्थ विषय : ● कबीर का व्यक्तित्व ● कबीर की प्रगतिशीलता ● कबीर की भक्तिभावना ● कबीर का समाजसुधार ● कबीर की भाषा ● भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।	
इकाई–**II**	मीराबाई के 10 पद (आरंभ के 10 पद) 1. मण थें परस हरि रे चरण।। 2. तनक हरि चितवां म्हारी ओर।। 3. म्हारो गोकुल रो ब्रजवासी।। 4. हे मा बड़ी बड़ी अंखियान वारो, सांवरो मो तन हेरत हंसिके।। 5. हेरी मा नंद को गुमानी म्हांरे मनड़े बस्यो।।	15 तासिकाएँ

	6. थारो रूप देख्यां अटकी।। 7. निपट बंकट छब अंटके।। 8. म्हा मोहणो रूप लुभाणी।। 9. संवरा नंद नंदन, दीठ पड्यां माई।। 10. आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी।। **अध्यनार्थ विषय :** ● मीराबाई का व्यक्तित्व, कृतित्व ● मीराबाई की भक्ति ● मीराबाई की प्रगतिशीलता ● मीराबाई की भाषा ● भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।	
इकाई–III	उपन्यास : स्वरूप, तत्व। उपन्यास कृति :एक पत्नी के नोटस – ममता कालिया लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व कथ्यगत अध्ययन, शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 75

आंतरिक मूल्यांकन : 23 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 13 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन – 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 52 अंक

प्रश्न पत्र का प्रारूप **(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)**

समय : 3 घंटे **अंक : 52**

प्रश्न 1. प्रथम इकाई पर दो में से एक प्रश्न।	07 अंक
प्रश्न 2. द्वितीय इकाई पर दो में से एक प्रश्न।	07 अंक
प्रश्न 3. तृतीय इकाई पर दो में से एक प्रश्न।	07 अंक
प्रश्न 4. ससंदर्भ व्याख्या :	
प्रथम इकाई में से संदर्भ (दो में एक)	07 अंक
द्वितीय इकाई में से संदर्भ (दो में एक)	07 अंक
तृतीय इकाई में से संदर्भ (दो में एक)	07 अंक
प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर बहुविकल्पि (इकाई–I : 3, इकाई–II : 4, इकाई–III: 3) 10 प्रश्न।	10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर ग्रंथावली – संपा. श्यामसुंदरदास, नागरीप्रचारिणी सभा, वारणसी
2. एक पत्नी के नोटस – ममता कालिया, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. मीराबाई की पदावली – संपा. परशुराम चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. साहित्य और मानवीय संवदेना – डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपुर।

***

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

चतुर्थ अयन **(Fourth Semester)**

पाठ्यचर्या : **DSC -2B (S-2)** मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक साहित्य

3कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. रहीम के काव्य का बोध कराना।
2. बिहारी की काव्य अभिव्यंजना समझाना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच से अवगत कराना।
4. छात्रों में अभिनय गुण विकसित कराना।
5. नाट्यालोचना से अवगत करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	रहीम के 20 दोहे **i)** भक्ति 1. समय दशा कुल देखि कै, सबै करत सनमान। रहिमन दीन अनाथ को, तुम बिन को भगवान।। 2. रहिमन को कोड का करै, ज्वारी, चोर, लबार। जो पति राखनहार है, माखन चाखनहार।। 3. जेहि रहीम तन मन लियो, कियो हिए बिचभौन। तासों दुख सुख कहन की, रही बात अब कौन।। 4. गहि सरनागति राम की, भव सागर की नाव। रहिमन जगत उधार कर, और न कछु उपाव।। **ii)** संगति का प्रभाव 1. जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग। चंदन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग।। 2. मूढ़ मंडली में सुजन, ठहरत नहीं बिसेषि। स्याम कंचन में सेत ज्यों, दूरि कीजिअत देखि।। 3. यह रहीम निज संग लै, जनमत जगत न कोय। बैर, प्रीति, अभ्यास, जस होत होत ही होय।। 4. रहिमन उजली प्रकृत को, नहीं नीच को संग	15 तासिकाएँ

	करिया बासन कर गहे, कालिख लागत अंग।। **iii)** दीनता और बड़प्पन 1. जे गरीब पर हित करैं, ते रहीम बड़ लोग। कहा सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग।। 2. थोड़ो किए बड़ेन की, बड़ी बड़ाई होय। ज्यों रहीम हनुमंत को, गिरिधर कहत न कोय।। 3. दीन सबन को लखत है, दीनहिं लखै न कोय। जो रहीम दीनहिं लखैं, दीनबंधु सम होय।। 4. रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि। जहाँ काम आवें सुई, कहा करे तरवारि।। **iv)** नीति 1. खैर, खून खाँसी, खुसी, वैर, प्रीति, मद–पान। रहिमन दाबे न दबै, जानत सकल जहान।। 2. रूठें सुजन मनाइए, जो रुठें सो बार। रहिमन फिर फिर पोहिए, टूटे मुक्ताहार।। 3. दानों रहिमन एक से, जौ लौं बेलत नाहिं। जान परत हैं काक पिक, ऋतु बसंत के माहिं। 4. बिगरी बात बनै नहीं, लाख करो किन कोय। रहिमन फोट दूध को, मथे न माखन होय।। **v)** संत महिमा 1. तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियहिं न पान। कहि रहीम, पर–काज हित, संपति संचहिं सुजान।। 2. मथत–मथत माखन, दही–मही बिलगाय। रहिमन सोई मीत है, भीर परे ठहराय।। 3. रहिमन वे नर मर चुके, जे कहुँ माँगन जाहिं। उनते पहले वे मरे, जिन मुख निकसत नाहिं।। 4. दुरदिन परे रहीम कहि, भूलत सब पहचानि। सोच नहीं वित–हानि को, जो न होय हित हानि।।	

	अध्यनार्थ विषय : ● रहीम का व्यक्तित्व, कृतित्व ● रहीम की भाषा ● रहीम की भक्तिभावना ● रहीम के काव्य की प्रासंगिकता ● भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।	
इकाई–**II**	बिहारी के 20 दोहे **i)** नायक–नायिका वर्णन 1. मेरी भव बाधा हरौ राधानागरि सोई। जा तन की झाईं परै स्याम हरित दुति होइ।। 2. कहत नटत रीझत खिजत मिलत लजियात। भरे भौन में करत हैं नैननि में सब बात।। 3. नभ लाली चाली निसा चटकाली धुनि कीन। रति पाली आळी अनत आये बनमाली न।। 4. सघन कुंज घन घन तिमिर अधिक अँधेरी राति। तऊन दुरिहै स्याम यह दीप सिखा सी जाति।। 5. सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलौने गात। मनौ नीलमनि सैल पर आतप परयौ प्रभात।। **ii)** संयोग–श्रृंगार वर्णन 1. प्रीतम दृग मिहिचत प्रिया पानि परस सुख पाय। जानि पिछानि अजान लौं नैकु न होति जनाय।। 2. लटकि लटकि लटकन चलत डटत मुकुट की छाँह। चटक भरयौ नट मिल गयौ अटक भटक मन माँह।। 3. चिरजीवौ जोरी जुरै क्यों न सनेह गंभीर। को घटि ये वृषभानजा वे हलधर के वीर।। 4. मन न धरति मेरौ कहयौ तू आपने सयान। अहे परनि परि प्रेम की परहथ पार न प्रान।। 5. लाल तिहारे विरह की अगनि अनूप अपार।	15 तासिकाएँ

	सरसै बरसै नीरहूँ झरहूँ मिटे न झार।।	
	iii) सिख–नख वर्णन 1. अंग अंग नग जगमगत दीप सिखा सी देह। दिया बढ़ायेहू रहै बढौ उजेरो गेह।। 2. पहिर न भूखन कनक के कहि आवतु इहि हेत। दर्पन के से मोरचा देह दिखाई देत।। 3. छकि रसाल सौरभ सने मधुर माधुरी गंध। ठौर ठौर झौंरत झँपत झौंर झौंर मधु अंध।। 4. पावस घन अँधियारि में रहयौ भेद नहिं आन। राति द्यौस जान्यौ परै लखि चकई चकवान।। 5. दिस दिस कुसमित देखिये उपबन बिपिन समाज। मनहु बियोगिनि कौं कियो सर पंजर रितुराज।।	
	iv) नवरस–इत्यादि वर्णन 1. नहिं पराग नहि मधुर मधु नहि विकास इहिं काल। अली कली ही तें बँध्यौ आगे कौन हवाल।। 2. कनक कनक तें सौगुनी मादिकता अधिकाइ। उहि खाये बौराइ जग इहिं पाये बौराइ।। 3. जप माला छापे तिलक सरै न एकौ काम। मन काचै नाचै बृथा साँचे राम।। 4. तज तीरथ हरि राधिका तन दुति कर अनुराग। जिहिं ब्रज केलि निकुंज मग पग पग होत प्रयाग।। 5. जगत जनायौ जिहिं सकल सो हरि जान्यौ नाहिं। ज्यों आखनि सब देखियै आँख न देखी जाहिं।।	
	अध्यनार्थ विषय : • बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व • बिहारी की प्रासंगिकता • बिहारी की अलंकार योजना • बिहारी की भाषा	

	• भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।	
इकाई–III	नाटक : स्वरूप, तत्व। नाटक कृति : महाभोज – मन्नू भंडारी लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 75

आंतरिक मूल्यांकन : 23 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 13 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन–10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 52 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप : **(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)**

समय : 3 घंटे **अंक 52**

प्रश्न 1. प्रथम इकाई पर दो में से एक प्रश्न। 07 अंक

प्रश्न 2. द्वितीय इकाई पर दो में से एक प्रश्न। 07 अंक

प्रश्न 3. तृतीय इकाई पर दो में से एक प्रश्न। 07 अंक

प्रश्न 4. ससंदर्भ व्याख्या :

प्रथम इकाई में से संदर्भ (दो में एक) 07 अंक

द्‌वितीय इकाई में से संदर्भ (दो में एक) 07 अंक

तृतीय इकाई में से संदर्भ (दो में एक) 07 अंक

प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर बहुविकल्पि (इकाई–I : 3, इकाई–II : 4, इकाई–III: 3) 10 प्रश्न। 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. बिहारी सतसई –संपा. लल्लू जी लाल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी काव्य सौरभ – संपा. कन्हैयालाल सहगल, एच. एच. एण्ड कंपनी, नई दिल्ली
3. रंगभाषा – नेमिचंद्र जैन
4. नाटक और रंगमंच – संपा. गिरीश रस्तोगी
5. महाभोज – मन्नु भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नाट्‌यालोचन – डॉ. माधव सोनटक्के
7. हिंदी नाट्‌य विमर्श – संपा. सदानंद भोसले

***

बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

तृतीय अयन **(Third Semester)**

पाठ्यचर्या : **AECC-2A** हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य

2कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को काव्य साहित्य से अवगत कराना।
2. छात्रों को कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. छात्रों में काव्य लेखन कौशल विकसित करना।
4. छात्रों में कहानी लेखन कौशल विकसित करना।
5. छात्रों में साहित्यालोचन दृष्टि विकसित करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	काव्य साहित्य : 1) अकाल और उसके बाद – नागार्जुन 2) कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए – दुष्यंत कुमार 3) इस को भी अपनाता चल –गोपालदास 'नीरज' 4) पालतू कुत्ता – मालती शर्मा 5) घर – श्रीप्रकाश शुक्ल उक्त रचनाओं का, कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	कहानी साहित्य : 1) उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' 2) भिखारन – रविंद्रनाथ टागोर 3) ककडी की कीमत – चतुरसेन शास्त्री 4) कप्तान – शिवरानी देवी 5) बदबू – सूरजपाल चौहान उक्त रचनाओं का, कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन – 15 (लघुत्तरी परीक्षा–10, शोध परियोजना / समूह परियोजना / मौखिक प्रस्तुति / क्षेत्रीय अध्ययन– 05)

सत्रांत परीक्षा – 35

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे	**अंक 35**
प्रश्न : 1 प्रथम इकाई (काव्य) पर चार में कोई दो प्रश्न।	12 अंक
प्रश्न : 2 द्वितीय इकाई (कहानी) पर चार में कोई दो प्रश्न।	12 अंक
प्रश्न : 3 संसदर्भ व्याख्या :	11 अंक

अ) काव्य (प्रथम इकाई) पर दो में से एक।

आ) कहानी (द्वितीय इकाई) पर दो में से एक।

संदर्भ ग्रंथ :

1. 'साहित्य संगम' – संपा.हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सूरजपाल चौहान कृत 'नया ब्राह्मण' : एक अनुशीलन – डॉ. प्रदीप सरवदे, विनय प्रकाशन, कानपुर।

***

बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

चतुर्थ अयन **(Fourth Semester)**

पाठ्यचर्या : **AECC- 2B** हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य

2कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को काव्य साहित्य से अवगत कराना।
2. छात्रों को कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. छात्रों में काव्य लेखन कौशल विकसित करना।
4. छात्रों में कहानी लेखन कौशल विकसित करना।
5. छात्रों में साहित्यालोचन दृष्टि विकसित करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	काव्य साहित्य : 1) झाँसीवाली रानी – सुभद्राकुमारी चौहान 2) मधुशाला – हरिवंशराय बच्चन 3) गीत फरोश – भवानीप्रसाद मिश्र 4) रोटी और संसद – धूमिल 5) भूख – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना उक्त रचनाओं का, कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	कहानी साहित्य : 1) पत्नी – जैनेंद्र कुमार 2) बेटा – अमृता प्रीतम 3) शर्त–रतनकुमार सांभरिया 4) स्वेटर – अशोकजमनानी 5) ईश्वर का द्वंद – मनोज रुपडा उक्त रचनाओं का, कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन – 15 (लघुत्तरी परीक्षा–10, शोध परियोजना / समूह परियोजना / मौखिक प्रस्तुति / क्षेत्रीय अध्ययन–05)

सत्रांत परीक्षा – 35

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक 35**

प्रश्न : 1 प्रथम इकाई (काव्य) पर चार में कोई दो प्रश्न। 12 अंक

प्रश्न : 2 द्वितीय इकाई (कहानी) पर चार में कोई दो प्रश्न। 12 अंक

प्रश्न : 3 संसदर्भ व्याख्या : 11 अंक

अ) काव्य (प्रथम इकाई) पर दो में से एक।

आ) कहानी (द्वितीय इकाई) पर दो में से एक।

संदर्भ ग्रंथ :

1. 'साहित्य संगम' – संपा.हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

***